## ''हास्य रस वर्षा'' - अशोक चक्रधरजी

---

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति रुचि बढी रहे इस दृष्टि से अनेक गतिविधियों चलायी जाती हैं इसी कडी को आगे बढाते हुए दिनांक 26.06.2013 को एक शानदार कार्यक्रम "हास्य रस वर्षा" का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम को ज्योर्तिमय करने के लिये विख्यात हास्यकवि श्री. अशोक चक्रधरजी विराजमान थे. कार्यक्रम का आगाज करते हुए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की हिन्दी अधिकारी श्रीमती प्रीति शेणवाई ने हिन्दी के प्रचार प्रसार में चलाये जा रही गतिविधियों का उल्लेख किया और कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं भूमिका विषद की. तत्पश्चात सूत्र संचालन का दायित्व उपसचिव श्री. राठोड ने संभाला. श्री. राठोड ने बडे रोचक अंदाज में चक्रधरजी की उपलब्धियों का और विभिन्न श्रेत्रों में हिन्दी कार्य में दी जा रही उनकी सेवाओं पर प्रकाश डाला. तत्पश्चात कविता की फुहारों की बरसात करते हुए कविवर ने सभी क्षेत्रों में हो रहे नैतिक पतन और मूल्यह्रास को सभी समस्याओं की जड बताया. नेताओं, महात्माओं पर जोरदार प्रहार करते हुए उन्होंने लोगों से आवाहन कर डाला कि सभी को मिलकर सोचने और जागरुक रहने की आवश्यकता है. कविने नौवजवानों पर भरोसा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आगे आकर देश के स्वाभिमान का झण्डा बुलंद करना है. शिक्षा के क्षेत्र में हो रही गिरावट की ओर इशारा करते हुए उन्होंने नवयुवकों से नंबर के पीच्छे न भागने का सुझाव दिया और उन्हें अपने अन्तरज्ञान को उभारने का आवाहन किया. हवाला, घोटाला के लिये नेताओं पर प्रहार करते हुए उन्होंने जनता से जागरुक होकर उन्हें सबक सिखाने का आवाहन कर डाला. पूरे सबाब में डूबा यह कार्यक्रम सभी का हौसला बुलंद किया. सभी अधिकारी/कर्मचारी कविताओं के रसास्वादन से सराबोर हो गये और यह कार्यक्रम एक यादार कार्यक्रम बन गया.